Name.....

बजरंगबली

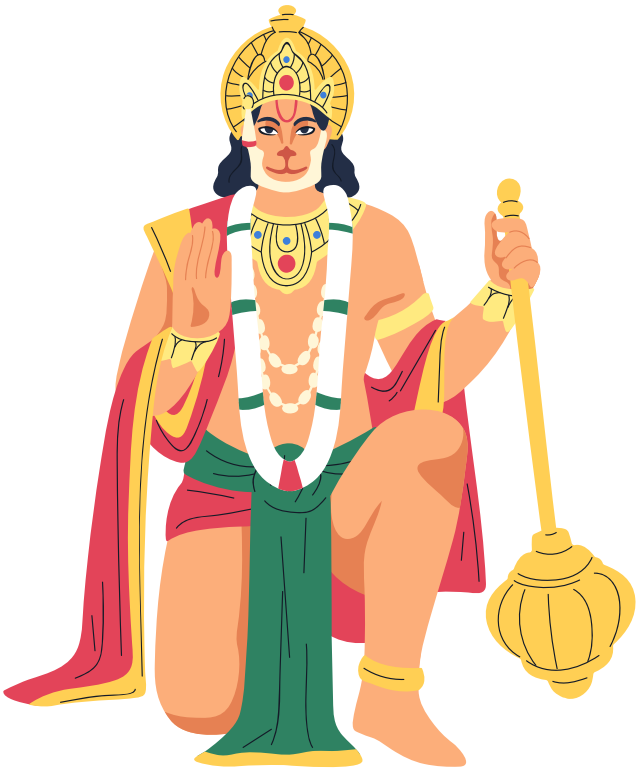

एक बार की बात है। भगवान राम की पत्नी माता सीता अपनी माँग में सिंदूर लगा रही थी। हनुमान जी ये देख रहे थे । हनुमान जी ने पूछा, " माता, आप अपने माथे पर सिंदूर क्यों लगा रही हो ?" सीता जी ने हनुमान जी की जिज्ञासा को दूर करने के लिए उत्तर दिया, " हनुमान मैं भगवान राम के लंबे जीवन,उनकी लम्बी आयु के लिए अपनी माँग में सिंदूर लगाती हूं।"

यह सुनकर हनुमान ने सोचा ,अगर माता के थोड़े से सिंदूर लगाने से मेरे भगवान राम की आयु बढ़ती है,तो अगर मैं अपने पूरे शरीर में सिंदूर लगा लूँ तो कितना अच्छा हो,मेरे प्रभु की आयु हमेशा बढ़ती जाएगी।

हनुमान जी ने अपने पूरे शरीर पर सिंदूर लगा लिया और माता सीता के पास गए। माता सीता मुस्कुराई और हनुमान जी को राम के पास ले गई । भगवान राम ने हनुमान से पूछा, हनुमान तुमने इतना सारा सिंदूर क्यों लगाया है? हनुमान जी ने सारी बात बताई । भगवान राम ये सब सुन बहुत खुश हुए और हँस पड़े।

उन्होंने हनुमान को अपने पास बुलाया और कहा, "मैं तुम्हारे प्रेम और मेरे प्रति भक्ति से बहुत खुश हूं और अब से लोग तुम्हें बजरंगबली के रूप में भी जानेंगे।" बजरंगबली शब्द में "बजरंग" का अर्थ सिंदूरी या नारंगी है। बजरंगबली का मतलब सिंदूरी शरीर वाला होता है।

www.creativeworksheetshub.com